14-02-2023

भारतीय चीनी उद्योग की वित्तीय स्थिति बेहतर हुई

12-14 फरवरी 2023 तक राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, अस्यूट विश्वविद्यालय, मिस्र द्वारा संयुक्त रुप से आयोजित चीनी और एकीकृत उद्योग पर 10वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन मिस्र के लक्सर शहर में शुरु

सम्मेलन में भारत, मिस्र, अमेरिका, इंग्लैंड, फ्रांस, जर्मनी, नाइजीरिया, ऑस्ट्रिया और ब्राजील आदि से दो सौ से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं

बीटीएनएन

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर स्तर पर विदेशी सरजमीं पर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस आयोजित कर रहा है इस कॉन्फ्रेंस में इजिप्ट भी अहम भूमिका निभा रहा वैश्विक स्तर पर चीनी के उत्पादन को किस तरह से नई दिशा दी जाए और इंडस्ट्री को लास् से बचाया जाए नई टेक्नोलॉजी का यूज किस तरह से करना है पर विस्तार से चर्चा हो रही प्रोफेसर डिना मामडो फौद, डीन, फैकल्टी ऑफ शुगर एंड इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रीज टेक्नोलॉजी, अस्यूट विश्वविद्यालय ने अपने स्वागत भाषण में विश्वास व्यक्त किया कि सम्मेलन वैश्विक चीनी उद्योग के आर्थिक और तकनीकी मुद्दों के समाधान के लिए कुछ उपयोगी उपाय सुझाने के अतिरिक्त, गन्ने एवं चुकंदर की उत्पादकता, चीनी उद्योग से नई और नवीकरणीय ऊर्जा की अविष्य की संभावनाएं, कचरे का उपयोग और चीनी उद्योग से संबंधित पर्यावरण के मुद्दों पर चर्चा करेगा।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक एवं सम्मेलन के अध्यक्ष प्रो. नरेंद्र मोहन ने वर्षों से चीनी उद्योग द्वारा अपनाए गए बिजनेस मॉडल में आए बदलावों पर चर्चा करते हुए नवाचारों पर जोर दिया। केवल नवीन प्रक्रियाएं और उत्पाद ही चीनी उद्योग को प्रतिस्पर्धी, व्यवहार्य और टिकाऊ बना सकते हैं। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय चीनी परिदृश्य, जैव ईंधन की आवश्यकता, प्रौद्योगिकी की उपलब्धता और नए उत्पादों के लिए संभावित बाजार को ध्यान में रखते हुए रणनीतियां बनाई जानी हैं। उन्होंने चीनी उद्योग द्वारा अब अपनाए गए चीनी-इथेनॉल मॉडल पर भी चर्चा की, जिससे भारतीय चीनी उद्योग की वित्तीय स्थिति बेहतर हुई। डॉ. गिलियन एम्म्लेस्टन, निदेशक, ऑडोबोन शुगर इंस्टीट्यूट, अमेरिका ने चीनी के नुकसान को नियंत्रित और कम करके चीनी उद्योग के संचालन की उत्पादकता और दक्षता में सुधार के उपायों पर चर्चा की। अरविंद चुडासमा, संपादक, इंटरनेशनल शुगर जर्नल, इंग्लैंड ने वैश्विक चीनी उद्योग की गतिशीलता पर प्रस्तुति दी। उन्होंने कहा की दुनिया भर में चीनी की वार्षिक खपत पिछले कुछ वर्षों में लगभग स्थिर है, केवल एशिया और अफ्रीका में कुछ वृद्धि दिखाई दे रही है। कांफ्रेंस मे जर्मनी, ऑस्ट्रिया, मिस्र एवं ब्राज़ील के प्रतिनिधियों ने भी अपने प्रेजेंटेशन दिए । सम्मेलन के दौरान एक एक्सपो भी आयोजित किया गया है जिसमें विभिन्न विदेशी कंपनियों के अलावा कई भारतीय कंपनियां, निर्माण इकाइयां और प्रौद्योगिकी प्रदाता भी भाग ले

'चीनी और एकीकृत उद्योग' पर 10वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू

कानपुर (नगर छाया समाचार)। 12-14 फरवरी 2023 तक राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर और अस्यूट विश्वविद्यालय, मिस्र द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित चीनी और एकीकृत उद्योग पर 10वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन मिस्र के लक्सर शहर में शुरू हुआ। सम्मेलन में भारत, मिस्र, अमेरिका, इंग्लैंड, फ्रांस, जर्मनी, नाइजीरिया, ऑस्ट्रिया और ब्राजील आदि से दो सौ से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे है । प्रोफेसर (सुश्री) डिना मामडो फौद, डीन, फैकल्टी ऑफ शुगर एंड इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रीज टेक्नोलॉजी, अस्यूट विश्वविद्यालय ने अपने स्वागत भाषण में विश्वास व्यक्त किया कि सम्मेलन वैश्विक चीनी उद्योग के आर्थिक और तकनीकी मुद्दों के समाधान के लिए कुछ उपयोगी उपाय सुझाने के अतिरिक्त, गन्ने एवं चुकंदर की उत्पादकता, चीनी उद्योग से नई और नवीकरणीय ऊर्जा की भविष्य की संभावनाएं, कचरे का उपयोग और चीनी उद्योग से संबंधित पर्यावरण के मुद्दों पर चर्चा करेगा।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक एवं सम्मेलन के अध्यक्ष प्रो. नरेंद्र मोहन ने वर्षों से चीनी उद्योग द्वारा अपनाए गए बिजनेस मॉडल में आए बदलावों पर चर्चा करते हुए नवाचारों पर जोर दिया। केवल नवीन प्रक्रियाएं और उत्पाद ही चीनी उद्योग को प्रतिस्पर्धी, व्यवहार्य और टिकाऊ बना सकते हैं। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय चीनी परिदृश्य, जैव ईंधन की आवश्यकता, प्रौद्योगिकी की उपलब्धता और नए उत्पादों के लिए संभावित बाजार को ध्यान में रखते हुए रणनीतियां बनाई जानी हैं। उन्होंने चीनी उद्योग द्वारा अब अपनाए गए चीनी-इथेनॉल मॉडल पर भी चर्चा की, जिससे भारतीय चीनी उद्योग की वित्तीय स्थिति बेहतर हुई।

डॉ. (श्रीमती) गिलियन एम्म्लेस्टन, निदेशक, ऑडोबोन शुगर इंस्टीट्यूट, अमेरिका ने चीनी के नुकसान को नियंत्रित और कम करके चीनी उद्योग के संचालन की उत्पादकता और दक्षता में सुधार के उपायों पर चर्चा की। श्री अरविंद चुडासमा, संपादक, इंटरनेशनल शुगर जर्नल, इंग्लैंड ने वैश्विक चीनी उद्योग की गतिशीलता पर प्रस्तुति दी। उन्होंने कहा की दुनिया भर में चीनी की वार्षिक खपत पिछले कुछ वर्षों में लगभग स्थिर है, केवल एशिया और अफ्रीका में कुछ वृद्धि दिखाई दे रही है। कांफ्रेंस मे जर्मनी, ऑस्ट्रिया, मिस्र एवं ब्राजील के प्रतिनिधियों ने भी अपने प्रेजेंटेशन दिए।

सम्मेलन के दौरान एक एक्सपो भी आयोजित किया गया है जिसमें विभिन्न विदेशी कंपनियों के अलावा कई भारतीय कंपनियां, निर्माण इकाइयां और प्रौद्योगिकी प्रदाता भी भाग ले रहे हैं।

Int'l conference on sugar & integrated industries

The 10th international conference on 'Sugar and Integrated Industries' being jointly organised by NSI and Assiut University, Egypt

PNS ■ KANPUR

The three-day 10th international conference on "Sugar and Integrated Industries" being organised jointly by National Sugar Institute (NSI) and Assiut University, Egypt took off at Luxor City, Egypt. The conference is being attended by more than 200 delegates from India, Egypt, America, England, France, Germany, Nigeria, Austria, Brazil and a few more countries.

Delivering the welcome address, Prof Dina Mamdough Fouad, Dean of Faculty of Sugar and Integrated Industries Technology, Assiut University expressed confidence that the conference will work out quite some useful measures for addressing economical and technological issues besides discussing other important issues related to production and breeding of sugar crops, future prospects of new and renewable energy from sugar industry, utilisation of wastes and environment issues related to the sugar industry.

Addressing the meet the NSI director Prof Narendra Mohan, who is also the conference chairman while discussing the changes in business model which was being practised by the sugar industry over the years, stressed on innovations and added that only innovative processes and products can make sugar industry competitive, viable and sustainable.

He said strategies were to be formed considering domestic and international sugar scenario, requirement of biofuels, availability of technology and possible market for newer products. He also discussed the sugar-ethanol model now been adopted by sugar industry leading to better financial health of Indian Sugar Industry.

Dr Gillian Eggleston, Director, Audobon Sugar Institute, USA, discussed measures for improving productivity and efficiency of sugar industry operations by controlling and minimising sugar losses. Arvind Chudasama, Editor, International Sugar Journal, England, made a presentation on dynamics of global sugar industry. He informed that world over annual sugar consumptions were almost static over the last couple years with only Asia and Africa showing some increase. Later presentations were also made by the delegates from Germany, Brazil, Egypt and Austria on various issues related to sugar industry.

An expo had also been organised along with the conference in which apart from various overseas companies, umpteen Indian companies, manufacturing units and technology providers also took part.

एनएसआई और मिस्र के संयुक्त तत्वावधान में शुरू हुई तीन दिवसीय कार्यशाला

- अमेरिका ऑस्ट्रेलिया समेत कई विदेशी प्रोफेसरों ने दिए टिप्स
- दसवां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की जिम्मेदारी एनएसआई को मिली

नवराज दर्पण समाचार

कानपुर । 12 से14 फरवरी तक राष्ट्रीय शर्करा और अस्यूट विश्वविद्यालय, मिस्र द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित चीनी और एफीकृत उद्योग पर 10वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन मिस्र के लक्सर शहर में शुरू हुआ। सम्मेलन में भारत, मिस्र, अमेरिका,इंग्लैंड, फ्रांस, जर्मनी, नाइजीरिया, ऑस्ट्रिया और ब्राजील आदि से दो सौ से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।प्रोफेसर (सुश्री) डिना मामडो फौद, डीन, फैकल्टी ऑफ शुगर एंड इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रीज टेक्नोलॉजी, अस्यूट विश्वविद्यालय ने अपने स्वागत भाषण में विश्वास व्यक्त किया कि सम्मेलन वैश्विक चीनी उद्योग के आर्थिक और तकनीकी मुद्दों के समाधान के लिए कुछ उपयोगी उपाय सुझाने के अतिरिक्त, गन्ने एवं चुकंदर की उत्पादकता, चीनी उद्योग से नई और नवीकरणीय ऊर्जा की भविष्य की संभावनाएं, कचरे का उपयोग और चीनी उद्योग से संबंधित पर्यावरण के मुद्दों पर चर्चा करेगा।राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक एवं सम्मेलन के अध्यक्ष प्रो. नरेंद्र मोहन ने वर्षों से चीनी उद्योग द्वारा अपनाए गए बिजनेस मॉडल में आए बदलावों पर चर्चा करते हुए नवाचारों पर जोर दिया। केवल नवीन प्रक्रियाएं और उत्पाद ही चीनी उद्योग को प्रतिस्पर्धी, व्यवहार्य और टिकाऊ बना सकते हैं। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय चीनी परिदृश्य, जैव ईंधन की आवश्यकता, प्रौद्योगिकी की उपलब्धता और नए उत्पादों के लिए संभावित बाजार को ध्यान में रखते हुए रणनीतियां बनाई जानी हैं। उन्होंने चीनी उद्योग द्वारा अब अपनाए गए चीनी-इथेनॉल मॉडल पर भी चर्चा की, जिससे भारतीय चीनी उद्योग की वित्तीय स्थिति बेहतर हुई। जिसमें विभिन्न विदेशी कंपनियों के अलावा कई भारतीय कंपनियां, निर्माण इकाइयां और प्रौद्योगिकी प्रदाता भी भाग ले रहे हैं।

जैव ईंधन की आवश्यकता के साथ नवाचारों पर चर्चा

मिस्र के लक्सर में चीनी और एकीकृत उद्योग पर दसवां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन हुआ

कानपुर, 13 फरवरी। तीन दिवसीय (12 से 14 फरवरी 2023) राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर और अस्यूट विश्वविद्यालय, मिश्र की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित चीनी और एकीकृत उद्योग पर 10वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन मिस्र के लक्सर शहर में शुरू हुआ। सम्मेलन मे भारत, मिस्र, अमेरिका, इंग्लैण्ड, फ्रांस, जर्मनी, नाइजीरिया, आस्ट्रिया और ब्राजील आदि से दो सौ से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक एवं सम्मेलन के अध्यक्ष प्रो. नरेंद्र मोहन ने वर्षों से चीनी उद्योग द्वारा अपनाए गये बिजनेस माडल में आये बदलावों पर चर्चा करते हुए नवाचारो पर जोर दिया। केवल नवीन प्रक्रियाएं और उत्पाद ही चीनी उद्योग को प्रतिस्पर्धी व्यवहार्य और टिकाऊ बना सकते है। घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय चीनी परिदृश्य, जैव ईंधन की आवश्यकता, प्रौद्योगिकी की उपलब्धता और नये उत्पादों के लिए संभावित बाजार को ध्यान में रखते हुए रणनीतियां बनाई जानी है। उन्होंने चीनी उद्योग द्वारा अब अपनाएं गएं चीनी इथेनाल माडल पर चर्चा की जिससे भारतीय चीनी उद्योग की वित्तीय स्थिति बेहतर हुई है। आडीबोन शुगर इंस्टीट्यूट, अमेरिका, निदेशक डा. (श्रीमती) गिलियन एग्लेस्टन ने चीनी के नुकसान क नियंत्रित और कम करके चीनी उद्योग के संचालन की उत्पादकता और दक्षता में सुधार के उपाय पर चर्चा की। इंटरनेशनल शुगर जर्नल, इंग्लैण्ड, संदापक अरविंद चूड़ासमा ने वैश्विक चीनी उद्योग की गतिशीलता पर प्रस्तुति दी। उन्होंने कहाकि दुनिया भर में चीनी की वार्षिक खपत पिछल कुछ वर्षों में लगभग स्थिर है। केवल एशिया व आफ्रीका में कुछ वृ द्धि दिखाई दे रही है। प्रो. डिना मामडो फौद ने तकनीकी मुददो के समाधन, पर्यावरण मुददो पर विस्तार से चर्चा की। समेलन में एक एव सपो का आयोजन भी किया गया, जिसमें विभिन्नि विदेशी कंपनियों के अ लावा कई भारतीय कंपनियां निर्माण इकाइयां और प्रौद्योगिकी प्रदाता भी भाग ले रहे है।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेन्द्र मोहन व अन्य।